



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

CA
18/7/85

सं० 231] नई दिल्ली, शनिवार, जून 1, 1985/ज्येष्ठ 11, 1907
No. 231] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जून, 1985

सं. 191/85 सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 478 (अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 47- सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में, क्रम सं. 12 के सामने, स्तम्भ (2) की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :-

(2)

“अपूरित पैकेजिंग और /या प्रसंस्करण मशीनें जो पूर्व रोगाणुनाशक/पास्चरीकरण, समावेशक आकृतिकरण, भराई, सीलबंदी, कोड अंकन/चिन्हंकन उपकरणों सहित या उनके बिना हो पूर्ण स्वचालित । ”

[फा. सं. 346/62/84-टी आर यू]
सी. वरदाराजन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 1985

No. 191/85-CUSTOMS

GSR 478(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 47-Customs, dated the 1st March, 1984, namely :—

In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 12, for the entry in column (2), the following entry shall be substituted, namely :—

2

Aseptic packaging and/or processing machinery with or without presterilising/pasturising, comprising, forming, filling, sealing, coding/markings-fully automatic.”

[F.No. 346/62/84-TRU]

C. VARADARAJAN, Under Secy.